จักลายห ราชกา 1111 ELANGERE!

्यामुक्त (क्रपीरस) एक कःभासम्, स्यत् एवः तेवा कर जीत केन्द्रीय ५८ (वे शुक्तिः) TOO THE HOPENING UNITED FOR HAR ON THE CONTRACT OF THE STANDARD EXCISE,

ਸ਼੍ਰੋਡੋਹੈਰ ਜ਼ੁਰੂ, ਸੀ ਦਸ ਨੀ ਮਰਤ ਪੜ੍ਹਾ 'ear, 681 Blacks.

रमा कोटी दिया होते. - Rose (Suese Strig Risk)

ਗਰਮਨੋਟ • 8× 50° = 35 (13). Tee lov No. 1641 - 20074112 81113 Empir congression arabymedicars



र्विकारहे खाला है, से, दुराना 🕒

ा भारीक ∤ काइट हाका ८

Augest / File No.

777301 **6** 2027643-2017

ामक जासूक्ष रहे हैं।

0.000,000 5572e.th://intrand/2010-37 र हिनाना∄

Dub 80.052007

- 田智제 동화에 95억 (Order to Albest Negli

BXXV=03xCUS-90<u>0-APX=153-1X3-154-2518-19</u>-

∄ हैस का ^पहेंचाक ∴ Date of Octors

π

27.06.2058

करी एउट के अंधिक है।

 $\mathbb{D}_{\mathcal{F}_{n}}$, diffusion.

UM.B7.2018

In each in Sheath A. Versand, Committeener, CGST & Central Existes. Katchijfeandhidhami,

अभिनुष्य संस्था स्थलकात्रकार का भूगाती, दिस्ता १००५ राज्यकार **मार्ग गर गई (संस्था** मा**र्ग** हा कारेक (Autority) है है कि एक प्राप्त कर के प्रमुखना है भी भी है जिसके आज़ाहत केहार बहुत हुए सेवा जर हते. केन्द्री , क्यांट काक, कर्क (मधीपा), या विषय अधिनेत्रात १८११ की दास का नहीर हासार सुन्ता अभिविक्तम १८५७ की शक्त कर है। उसके द्वार को एक स्थापन के साहमें से अद्देश वर्षित कार्य के उद्देश्य ह सबैक कविकारी के उपार्थ विक्**त**ा किया गाउँ हैं

In pure while \sim Beach Cover System $\sim 1.0 \gamma/90170$. Ex m [M7] cared, 1.4/10.017 fixed. with Eq. () 0.2. We 05; 2317-25 call for 11.25 \pm 0.5 \pm 0. We seed, the mass of \pm CBBT & Control Excise: No.17. (Camilla There), I as flown a visitored as a coefficients, finding for the purpose of practice profession respect of expects that under Section 35 of Cartail Estimate Act 1544 and Section ... (poste lilipaix # Act, 2001).

াৰ্থ এ এক বিষয়ের এটা প্রত্যা প্রায়ের প্রায়ের স্থানিক সূত্রের প্রত্যা **নির্দা**র স্থানিক বিষয়ের সালেটার বিষয়ের স্থানিক স্থানিক সূত্রের প্রত্যা প্রায়ের সালেটার বিষয়ের স্থানিক স্থানিক সূত্রের স্থানিক স अमेरिकतो रूप मिन्न हो। या नाम एवं पन 7Same 8, 160 ess of the Assectants & Respectent ...

il 25/a RXS Industrica P. Led. Survey No. 174, Changladi Road Yaluka Sikor, Dist :: Shaveagar

2. Sari Resoah Benezi, Europtor na al / e NRS (poucurea et Ltd.)

ুন প্রাটিগঙ্গেলে। ই অবধিল নেই অব্যাহি কেন্দ্রিটিয়ে নাইক ন চোকুলা নাইকটি - আশ্রেষকা কি মনতে সোলে মুক্তা কৰ নকলে হী। And person agreement in this Coder in Access, man file me coded to the code options and both তা the intercent way

ਲੰਗਰ ਅਮਾਰਾ (ਸਿਲ੍ਹਾਰ ਨਰਕਰ ਪਰਾਵਾਂ ਨੇ ਜੇਸ਼ਕਰ ਆਉਂਗੀ ਹਾਂ ਦਾ ਗਈ ਤੋਂ ਪਿੱਛੇ ਲਈ ਸੰਬੰਦੀਕ ਤਰਗਰ ਲੋਕਰ ਭਾਗਿਵਿੰਦੀ (10 ° ਸੀ ਦੂਸਾ 1939) ਦਾ ਸਮਰੋਗ ਹੁਣ ਵਿੱਚਰ ਸਮਰੋਗਤਾ 1924। ਐੱਟ ਪੁਸ਼ਾ 38 ਨੇ ਸਮਿੰਗ ਦਿਸ਼ਗਰਿਹਿਰ ਪਾਪਕ ਸੰਬੰਧ (1965) ਤੋਂ ਨੇ Appending Superior (Northern Superior Superior Total Appending Superior (1965) 950 (1968) 1944 ਨੇ ਸਿਰੰਗਤਿਵਾਰਕਰ (Northern Superior Superior Superior Superior Superior (1968) 1,3.1

कर्गकार प्राप्त कर के प्रकारिक कर्म का कि भी ते पुरस्क, केन्यों के 50 किया कर **मेवना** अर्थनीय काम्यादिकार्य की विशेष भीत् कम्याद्धीय साहित्य का प्रकार के पित्र कर्ष दिक्की, को की प्रकार कि 90 के सिंह पुरस्कार करूप को प्रकार कर किया है कि से स्वाप्त के शिक्स के देखीयत कि be set to West Direct Mar M के 1. पित्र के 1 किया Selfri is the Eastween relating to observation and sold situation.

·ίΕ

ns (is a West respond Lyary), of Customs, Wyork in Explosion in Appointed fridenal (CBSTAT) at . The Theory Bluernau Bluerau Baur was All Leddick Sign of the wave of appeals of the state an incationed to party that sale acceptances.



्राम्पतिक बरारा(देवस्य के जनात) कि प्रमुख करा कर कर के दिसेंच करात कुल्य (मिन्स् के देवसायते के विश्व कर के ते हैं कि किया कर की उसके कर को उसके कर के ते हैं किया कर की दिसे के ते किया कर की दिसे के ते हैं के तिया कर की दिसे के ते हैं के तिया कर की दिसे के तिया कर की दिसे के तिया कर की दिसे के तिया कर कर कि तिया कर कर की साम के तिया के ति

(1) शिंद्ध के 10. अनुकार 10 के राज 50.5 € 10 का किया है। इस्तार क्षेत्र के प्राप्त के 10 का किया कि 10 Щ

The appeal open can switch of the pent of another instance of the Appendix Tillipania State Landy in the control of the pent of the Landy in the Appendix to the first Landy in the control of the contro

किया प्रतिकारिता, 1999 की जात के की जानस्थानी (2) को है है के में की दुर्ज की की की अधिक अवश्रक के में 1994), 1994 के में 1, 1925 के अधिक के दूर कि मिरित प्रकार के मानम की जा सोकी का करना के स ा, पान्य प्राप्त कर कर कार कर का निर्माण कर का निर्माण कर कर कर का निर्माण कर की पान कर के किया कर कर कर कर कर अध्यक्षित, अन्तीय उत्पाद पुरुष्त अधिव अध्यक्षित (ति ।), अन्तीय उत्पाद पुरुष्क होंगा, सिर्मेण की विभिन्न की विभिन्न की किया का क्ष्मिल की किया का का का किया की किया की का किया का का का का किया की किया किया की किया की किया किया किया किया क

We fill 90% at order texts (letting). The appearance of the Lineau Act (1991) long, the Common text of the Lineau Act (1991) long, the Common texts of the Lineau Act (1991) long to a control of the Common texts of the Common t

होना धूना, किरोब उत्तर धूना रूपता है। ता.मार श्रामकित भिनेत्य कर रहेश के ति त्योंने के का है है के हैं। १९ महाशुक्त प्रोदेशिया किया कि दान क्या के अपूर्वत, जा का दिल्लीय झींपतिक 1994 के अप 33 के अंतरित के विकास के दी तानू के हैं है। अप 3 के दीन की शिंगिय सारितत्त्व की प्रतित करने मसद उत्तर धूनार्थिय कर सभा का 10 अक्षियों (1995), का लगा का दूर्णन में 1655 है। वा कुमील, जब कि अपूर्णन किरोहित है। वा कुमील, जब किरोहित है। वा कुमील, जिल्हा है। वा कुमील, ज কাৰে হায় বা ভাইৰ ভাইন

লোকে সমাহে ১৯৯৮টো কটি টিন্তাৰ হ্ৰা•িটিন বা কিন্তু

- ने कोट प्रयास भूता कि प्रया संश्राह्म के के बोर्टन स्कट liı
- संस्कृत जना है का _{मि}र पर्य है ļď,
- ਲਮਰੇਹ ਭਾਸ਼ ਵਿੱਖ ਸਮੇਂ ਨੂੰ ਇਹ ਤੋਂ ਨਾ ਸਾਹਿਤ ਹੋਏ ਹਨ।

्बर्गी यह के इस १०० के पार्टिश (श्रेट 2) अधिकेता. 20 4 के अवस्थास पूर्व जेसरे असीकेता अधिक विकेश के शिक्षकार्या स्थान गाउँ एवं स्परित के जन्म सहित्रहें हैं।

Units to steal Lorent and Assessment and Cody Demonated? (Link hodged)

fill unions of the constraint of the Cody Demonated? (Link hodged)

fill unions of the constraint of the cody of t

- া সালে ক্ৰেন্ড কা দুৰ্বিটোৰ আইলে ।

 Bermine septimization to Construct of Letter ।

 Remaine septimization to Construct of Letter ।

 Refer to the set of Construct of Letter ।

 Refer to the set of Construct of Refer to the set of Letter ।

 Refer to the set of Construct of Refer to the set of Letter of Letter of Letter of Reservation of Letter o
- াটি মাত দি কিটো কৰা ক'ল মাতেই বিজ্ঞান কৰাৰ ভিন্ত প্ৰকাশ নিৰ্ভাৱন এই বিজ্ঞান এই স্থানিক বৃদ্ধ বিজ্ঞান কৰিব। বিজ্ঞ
- িটা সংলাজ সান্ধ কিল্লী আৰু সং প্ৰীৰ জং নিজৰ জৰা বিধান জৰা বিধান জানিবলৈ স্থা সন্ধান জনলৈ সাই বিই বিই বিই বিজ্ বিজ্ঞান হৰণে, স্থানৰ জানুহৰ (বিশ্বি) বিজ্ঞানৰ সংগোধি প্ৰয়েও বিধান প্ৰীয়ে স্থায় বিধান স্থায় বিধান কি স্থা হা বিজ্ঞান আন্তৰ্ভাৱ কিল্লাই কিল্লাই কিল্লাই কিল্লাই কিল্লাই কিল্লাই কিল্লাই আৰু কিল্লাই কিল্লাই বিধান সংস্কৃত্যৰ ক্ষমতাৰ ক্ষমতাৰ কৰা কৰা কিল্লাই কিল্লাই কিল্লাই অসমতাৰ সংগ্ৰহণ ক্ষমতাৰ ক্ষমতাৰ ক্ষমতাৰ কিল্লাই ব্যৱস্থান সংগ্ৰহণক ক্ষমতাৰ ক্ষমতাৰ কৰা কৰা কিল্লাই কিল্লাই কিল্লাই ক্ষমতাৰ ক্ষমতাৰ ক্ষমতাৰ ক্ষমতাৰ ক্ষমতাৰ ক্ষ
- ্লা) নাৰি সাধান্ত ব্যক্ত কৰে আন্তৰ্ভ কিছে জিলা হৈছে জিলাৰ্ড নামত আছে কাৰ্ড এক সংঘাৰ নিৰ্মাণ জিলাৰ এই সুঁচ সুঁচ Thromas of সূত্যৰ ce Shi bed pathies, Chefe export to the entire Bind in A philipart between a diduly.
- ্থা স্থাধিক জন্ম হৈ জন্ম প্ৰত কৈ প্ৰথম হৈ বিশ্ব সাহস্থা থকাই হ্ৰ প্ৰথমিক শ্ব কৃষ্ঠ ক্ষেত্ৰত প্ৰথমেই পালপুল সম্পূৰ্ণ কৰি হৈ জ্বাল লৈ আইল বা জন্ম (জ্বাল) ই কৃষ্টা পিছিল। এইনিক্স (. ?) এইন ই ৮ ল B3 ই জ্বাল ইনিক্স ই প্ৰতি নাইছ লাইছ ক্ষেত্ৰটো লাইছ লাক্ষ্টা হৈ আলাহাত ক্ষিত্ৰ হৈ লিক্স জ্বালিক ক্ষিত্ৰ এইন বা ক্ষেত্ৰটো ইনিক্স হৈ নাইছিল কিছিল বা ক্ষেত্ৰটো ক্ষিত্ৰটো ক্ষিত্ৰটো ক্ষিত্ৰটো ক্ষিত্ৰটো ক্ষিত্ৰটো ক্ষিত্ৰ এইন ক্ষিত্ৰটো ক্ষিত্ৰটো কিছিল ক্ষিত্ৰটো ক্ষিত্
- নি ক্ষেত্ৰত গ্ৰেছিল কা হৈ জানাৰ জন্ম কৰে কে গ্ৰেছ কা কা কাৰ্যক ক্ষেত্ৰত জ্বাক (মানাৰ, চিকাৰ্জন হৈছে। ইন্দ্ৰ কিন্তুৰ হৈ জানাৰ কিন্তুৰ কিন্তুৰ
- ਲਾਂ ਕਰੰਗਰਾ ਤੇ ਹੋਵਾ ਦੇ ਲਾਹਿ ਜਿ ਸਹਿਰਿੰਕ ਜਿਸਨੇ। ਅਨੁਸਾਰੀ ਤੁਹਰਾਨਾਂ ਦੀ ਭਰੰਗ ਹਨ੍ਹਿੰਦ। ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਭਰੰਗ ਆਲਾ ਕਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦਾ ਦੁਸ਼ਤ ਦੁਸ਼ਤ ਹਿਸਾਈ 2007 ਦਾ ਬ੍ਰਾਗਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਜਾਂਦੇ ਹੋਏ ਹੋਇਆ ਵਰਗੇ ਦਾ ਸ਼ਾਲ ਕਰੇ। ਤੋਂ ਵਗੇਗੇ ਭਰੰਗ ਲਾਈ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਸ਼ਾਲ ਦੇ ਸਿੰਘ ਵਿੱਚ 1007 The recognish sectional district section of the 1007 ਸੀ ਸਿੰਘ ਨੇ 25 2507 ਸੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀ unmunities ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਰਗੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਹੋਏ ਹੈ। ਸਿੰਘ ਸ਼ਾਲ ਦੇ ਸ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀ ਸ਼ਾਲ ਦੇ ਸ਼ਾਲ ਵਿਚੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਰਗੇ ਸਿੰਘ ਦਿਸ਼ਤ ਵਿਚੇ ਸ਼ਾਲ ਵਰਗੇ ਸਾਲ ਸਿੰਘ ਸਿੰਘ ਵਿਜ਼ਵਨ ਉਸਦੇ ਸ਼ੁਰੂ
- ি। আয়াং প্রতিষ্ঠ ভবাৰা ৰ প্রতিষ্ঠ জিলিইছিল। 1875, টি প্রস্থান্তী লো জন্তার করে সাল্যে তথা ন্যাস্থা পরি জানি কর বিশ্বতি চাই ৪০ জনা করা নামের প্রতে প্রতিষ্ঠ আছে হয়। নাম্বিধার স্থান্ত করে বিশ্বতি চাই ৪০ জনা করা নামের প্রতে প্রতিষ্ঠ আছে হয়। নাম্বিধার করে করে বিশ্বতি চাই বিশ্বতি হয়। বিশ্বতি হয় বাংলালিক সমস্থানিক সাল্য স্থানিক বিশ্বতি হয়। বিশ্বতি হয় বাংলালিক বিশ্বতি বিশ্বতি হয় বিশ্বতি হয়। বিশ্বতি বিশ্বতি বিশ্বতি সাল্য সাল্যালিক বিশ্বতি বিশ্বতি বিশ্বতি বিশ্বতি বিশ্বতি সাল্যালিক সাল্যালিক বিশ্বতি বিশ্বতি বিশ্বতি সাল্যালিক

·... ·

:: ORDER -IN -- APPEAL::

BRIFF FACTS AND GROWINGS OF APPEAL

- The subject appeals have been preferred by MVs. RSK Industries Pvl. Ed., Survey No. 171, Galcaighali Road, Tall Shinst, Dist. Bhavragar theremafter referred to as the Appealant 11) and Snr. Rakesh Bahasi, Director of MA. RSK industries Hvf. Ltd., Sarvey No. 171, Cathanghas Road, Tall Shiner, Dist. Bhavragar (pereinalter referred to as the Appealant 2") against the Order is Original No. sAlexcise/Demand/2016-17, cpt 30.00.2017 (herefrafter referred to as Mholmoughed order) passon by the Assistant Commissional of Central Excise Division Surendian again thereinafter referred to as the Adjudicaling suthority.) The Appellant I are holding Central Excise Registration No. AAECR7069LEMOOt, and they are engaged in manufacturing of various excisable goods with MS ingot/Dilets, TMT Dark, Round Bails, Square Bars, Hahrde, Lincy are also availing the benefits of Central coding provided in the Central Credit Rules, 2004 (horomafter referred to as the CCS, 2004):
- Cuting the audit of the records of the Appellant 1, it was national that the Appellant 1 had wrongly availant the Convat Credit on Angles, Charnelle, Been, Mel Bars. Pywood, Cernent and Ntra, Bots etc. ouring the period from 16.01.2011 to 19.00.2013, deplaring the same as fingular in manufacture of M.S. Ingots/Biges Further the audit also naticed that the Appellant 1 had removed their finished goods without payment of duty. Therefore a search couration was carried out at the labelity premises as well as at the office promose of Appellant 1, sociated at Shihor and Bhavragan respectively on 08.01.2015 and not initialling documents were solved under Parchagmas dtd, 38.31.2013.
- Subsequent to this, a Statement of Appeliant 2 was recorded 1.5. an 08 01 2016, wherein he inter alia stated that he is Director of the Appellant 1 company and looked after entire day to day work of the Appellant 1. including purchase of raw material. Sales of inished goods and all tinand all transactions; that he was shown Claify Štock Register. maintained up to 97 01.2016 wherein the Shished stock of Μ δ. Billets was shown as 587,470 MT, whoreas on physical verification, the actual stack of M 5. Billets was found only 550 MT, he therefore agreed with the shortage, and stated that there may be some calculation mistake after manufacturing of Hillets and as such the shortage was nebced; that he was ishown Herm-IV register. maintained up to 07.01.2015 wherein the stock of M.S Scrap (RM)/plate. was feuro 343,310 MT, whereas on physical verification, the actual stock of M.S. Scrap (BM)/olate was found only 300 MT; that he also agreed with the shortage and stated that in the manufacturing process of Round/TMT Dars etc., that while issuing plales in the manufacturing process, they do not weigh the plates and calculations are always on estimate pasts; therefore the chortage of rew material might have odds made and there may be extra burning loss. That found shortage of haw material. at 43,310 MT of MS Scrap; that they were ready to reverse the Convet. Credition shortage of raw material and also ready to pay the Central Excise. daty on the shartage of 17.470 MT M.S. Billets to be operate the Janertmont
- 1.4. Further, during the investigation it was found that the Appellant 1 had wrongly availed Convat Gradit at Rs. 11,27,2214 on MS Angle, Channels Beams, MS Har Bars and Pipes of Iron 8 Small products ato, which they had used in



construction of p'efform/foundation for installetion of Consast also, മൻ ലിൽന്ന ന് Reling Mill.

kin. Accordingly, Appellant 1 leading getest with latter dated 11.01.2018 that they not reversed the Central Breat Rs. 12.33 Leas, as part the following details:

Voucaer No	Amped. reversa. Cenvat Credit	of Particulars of
539, etd.an (11.2010	11 07,458	Convat credit availed on MX Apple, Obannels etc.
560 did 07 01 2010	<u>ԽԻ,Ծ60</u>	Shortage of 17,470 MTs of MS Dideis
	i 1,20,029 ⁻	Shortage of 48,310 MT of MS Scrap (RM)/Plate
. TOTAL	(2,93,198	· <u></u>

- Whereas further Statement of the Appeilant 2 was reported to 05.02.2015, where in he inter also stated that they have avaited Cenvar Credit on Angles, Chausela, Beams, MS Flat Bars & Pipes of Joh & Steel and stanfold that MS Hars cut in to small please and put in the mould take to pull Billets and used in withcrawal of Billets in Concast for Billets manufacturing and those of Iron & Steel Scraps generated in Alang from Ship Breaking were used in manufacture of Ingola/Billets by molting in the furnace with others Scraps that he produced copy of invaloes related to Plywood, Nids and Solts, Cement, used in the factory premises in construction of shed of bland/candation for installation of Concast plant and rolling mill, be which they had availed the Cenvat Credit and stated that they had used Plywood in making of Panol Room for Concast machine; that they were not aware about the provisions of Central Excise I aware agreed to reversed the Convat Credit availed by Them To co-operate the department.
- 1,7. Subsequent to the encyclia above based notice dtd 39.32.2016 was issued to the Appellent 1, where oilt was required to show cause as to why:
 - (a) Central Excise Duty/CENVA riof Rs.10,u2.9889, which was not paid at short paid or not reversed amount of Convet credit of non-payment of duty should not be receivered under powers to achieved on (4) of section 11A of the Central Excise Act, 1944 (Leneil: after referred to as 1the DHA 1944*) read with Rule 14 of the CCR, 2014;

⁽c) Penaity should not be imposed under the provisions of Section 11AC of the sale Act;



⁽b) Interest at the expropriete rate should not be recovered under the Proy signs of Section 11AA of the self, Act, and

A show cause notice stological 2.2016 was also issued to the Appellant 2, wherein it was required to show cause as to why penelty should not be imposed upon Appellant 2 under Rule, 26 of the Cernial Except Rules 7002 therein shar refer to as "the CFR, 2002").

- 1.8. The Appellant is and the Appellant 2, both that their written reply dtd.(0.02.2917 in reply to the SCN (20.05.02,2016, explaining that
 - (a) The Appellant 1 and the Appellant 2 were not aware about the provisions of the CCR, 2004 in respect of the availment of Genval Credition tha MS Angles, Chemicals, etc.,
 - (b) They had reversed/poid the amount of Rs.12 83.188/- Immediately, on 09.01.2016, prior to issue at 5CN dtc.95.02.2018;
 - (a) The shortage of 17.470 MT of MS Billets was ascertained only on the approximate basis and not on the basis of physical weightent. Therefore, the so called shortage was not genuind one:
 - (d) The above abortages were forcefully got admitted by the Central Excise Officer.
 - (a) The department had falled to establish the illicit receipt of raw material to sustain the shortage of the said 17.470 MT of final products Let M5 Billets,
 - (f) The delly atock account of the final products is a ways holing maintained on approximate basis by such industries engaged in magnifecturing of the Iron & Steel products, like the Unit of the Appellant 1. Therefore, the so called shortages found by the department was not genuine and accordingly submitted that the department had wrongly and without authority or law had proposed to demand to the extent of Rs. 55,888/-, which was however, subsequently paid by the Appellant 1 under protost:
 - (g) The raw materials of non-Sisted products are always being taken in to use on approximate basis. The method of weighing of such raw materials which was lying in balance as 343,310 MT (from the raw material register maintained up to 07,01,2018). The stock of raw material was in hugo quantity. Therefore, the department has tailed to establish on record how they had found shortsge of 48,316 MT clinav material. Therefore, the allegation of the so called shortage was not ganulas one lacking to the practice being followed by such magnifecturer of from 86 Steel products like the Appellant. I owever, the Appellant I paid the proposed demand of Rs. 1,20,0297- with regard to the shortage of the said rew material;
 - (b) Such goods (though falling under the purview of Rule 2(s)(A)(III) of the CCR, 2004), which have not been defined blearly as capital goods will be eligible as "input". The potentian of "input" excludes "Capital Goods". Only those goods defined as "Capital Goods" under the CCR, 2004 will be excluded. Other Capital Goods, if deed within the factory, should be eligible for the Convet credit benefits as "Inputs", in the present case, the Appel and 2 had specifically stated that wood and pipes of

_3001=0-

\$20201 2020 PARADOLE

ron 96 Steel products had been used as input in on a religion to manufacturing of the final creducts:

With the autimisation mainly on the aforesold aspects, the Appellant I and Appellant 2 requested to queen the proceedings initiated by the SCN dtd.05 by 2016. The same arguments were also made during the personal hearing held on 19 02,2017.

- 1.9. The Adjudicating authority and vide his imprigned order confirmed the Central Preise outy/wrongly availed Central Credit totally amounting to Rs. 13,02,833/-under Section 11A(10) of the GEA, 1944 read with Rule 18(1)(ii) of the CCR, 2004 along with Bability of interest at applicable rate thereon in forms of Section 11A of the GEA, 1944, 89 well as imposed behalfy of Rs. 13,02,338/- upon the Appellant 1 under Section 11AO(1)(c) of the GEA, 1944 and also imposed behalfy of Rs. 13,02,938/- upon Appellant 2 updor Rule 26(1) of the CER, 2002.
- 1.10 Raing aggridved by the impagned order, the Appellant 1 and Appellant 2. had fled the present appeals, mostly containing the following common grounds.
 - (a) The Impugned order has been passed on assumptions at a presumptions, so far as the shortage in stock or finished products and raw materials are concerned;
 - (a) The Appellant 1 had slatted manufacturing of M.S. Ingota by uso of the Capital Goods viz. *Furnace' with effect from 07.12.2010 Before 07.12.2010, the Appellant 1 had purchased and used the goods including Cemerit, which were used in construction of shed and used in other setting up of the civil censtructions. Whereas, the disputed Cenverable goods were eurobased/produced by the Appel ant 1 under various Central Expire invoices pertaining to the period after the date of 07.12.2010.
 - (c) The Appellant I had installed another "Concast Unit" for manufacturing of M.S. Billets in the month of November, 2011, The gaid "Concast Brit" has been completely erected by using the said disputed goods. The Appellant 2 had diesally slated in his statement dated 05 02:2016 that the invoices relating to draction of Concast Unit for smooth manufacturing of M.S. Billets and also used it making platform for hot Ro-Rolling Unit, which was slarted from the month of January, 2013 for manufacturing of TMT Bars, Round Rars etc. The M.S. Plates were used for making "Platform" for smooth processing of Hot Ro-Rolling products from one to another Holling Stands to get the regulard length of finished poods for TMT Bars/Round Hars etc. Therafore, the Appellant 1 has clearly established that the said goods bad been used as "Capita Goods" which had soon made from the filted goods within the factory premise med with the provisions of Notification No. 67/95-35.
 - (a) For precing "Concast High, the disputed items are mandatably required, so as to make smooth manufacturing process for manufacturing of M.S. Dilets. The Nuts and Bods were



used in fitting of the said "Consest Unit". Therefore, the adjudicating authority had wrongly continued the domand of Convat Credit.

- The Explanation-2 of Sula 2(k) bods aing to the definition of "Input" provides that "Input" includes the goods used in manufacture of Cepital. Goods, which are further used in the factory of the manufacturer, but shall not include Cement, Angles, Channels, CTD Bars of TMT 58% and other items used for construction of factory shed, building or laying of foundation or making of structures for support of Capital Coods. In the present case, the disputed goods had firstly been as "hood" and subsequently used in getting required sizes of parts and accessories of plant and machinery i.e. part and accessories of Furnace Unit, Consust Unit and Re Rolling Unit. Therefore, the disputed items were: not covered in exclusion provided in the said Explanation-2. Appellant 1 had not altempted to any how justify the act of omission and commission committed by them, as hold in page 13 of the Impugned. order. The adjudicating authority has wrongly interpreted the provisions. of Rule 2(k) and Rule 2(a) of the CCR, 2004. No such correlatative: evidences have been placed on record to prove that the disputad-90069 has been used for construction of factory shop, building on laying of foundation or making structures for support of Capital Coods. Therefore, line findings of the adjudicating authority given at para 13 of the impugand order that "the goods on which Stedil has been availed by the Nebose can neither be categorized as "inputs" nanthe "Capital Goods" are not true and correct, it is fact that the disputed goods had been used within the factor of the production. As por the definition of "Capita" Goods" and the "lague", such goods either. "Capital Goode" or "Input", which are fused in the tectory of the manufacturer of the final products (for Capital Goods)" and "used in or in relation to the manufacture of final groducts whether directly or instructly and whether contained in the tinal products or not (so far as Input' is concorrad;". The Department has not denied that the (liabtilled goods were not used fin the factory of manufacture of the finalproducts*. Therefore the adjudicating at therity had vereigly and Without proper Interpretation of the definition of "Connat Gaada" and definition of "Input" has confirmed that damage of wrong sysilment of Conver Cradit of Rs. 11,37,489%.
- (f) The findings given at para 14 of the Impugned order are not like and correct. The adjudicaling authority has misinterpreted the statement dated 38.01.2013 of the Appellant 2. One to task of technical knowledge, he has stated that the disputed goods were used in construction of platform/foundation for installation of Concast Plant and platform of Rolling Mill. In fact the disputed goods has seen used in crocking at the Concast Unit and used in making platform of Helling Mill. Without proper exection of the Concast Plant, the Concast Plant is not usable for manufacturing of M.S. Billets. As well, without making platform by using the disputed goods, the process of rear narrowing of TMT Dars is not impossible for smooth running of the Holling Stands' through which the required time! products via TMT Bars etc. is



manufacturer. To explain the intention behind the statement dated 00.01.2018 given by the Appellant 2, he executed an "Attiday." on 22,05 2037 and submittee the 9 capy of the Affidavit for properly placing the intention of the statement given by the Appellant 2.

- (g) The question of executing the Affidave has been decided by the Appellant 1 and Appellant 2 on the ground that the department had without any material so denote had concluded that the dispeted gones were used in building and shed at the factory without physical yer floation of the plant and machine flee superdy material therein. Since, the dispetied goods had actually been used for the above mentioned purpose. The Appellant 1 and Appellant 2 had not thought over to obtain a Certificate from the Gazter Engineer. However, the Appellant 1 had enclosed the copies of some Photographs of the above Furnace Unit, Concast Unit and Re-Pating Unit. Ongoing through those Photographs, it to gotting clearly established that the Appellant 1 had correctly and legally availed the Convat Credit and therefore, the disputed Credit and Therefore, the disputed Credit Appellant.
- (b) The Appellant 1 and the Appellant 2 place their retained on the following case, 888;
- (1) 2012 (344) E.L.T. 884 (1% Alb.)

MEENU PAREN MI IS HVT. LTD IV/8 COMMISSIONER OF C. EX., CUS. & S.T., MEERUT-

(2) 2017 (348; E.L.) 300 (1r) -Det.).

ADITYA DEMHALI W COMMISSIONER OF CENTRAL EXCISE JAIPUR-II

- (i) The Perphasis dates 38.01.2010 draws within the factory premises of the Appellant 1 does not seem to be genuine so for 89 the shartage of final products viz; Billets of 17.470 MT and shortage of 43.510 MH or raw materials are concerned.
- The slock of final products as 587,470 MT as an 98.01.2016 mentioned in the daily product rogister had not been portison before the independent Penchee. Directly it was concluded that the Panchas had concluded the stock of the said arother was Found 550 MT. This is not genuine at all, it is not passible \mathfrak{p}_0 weight the said finished goods from 11:45 nature of 89.01,2016 to 62:00. boars of 38 01.2018. Evan too, no such experience of the said Panchas had been discussed as regards to their being engaged. in dealing with the Iton & Steel products. Both the Panchas were: engaged in transportation business. The Central Excise Officer had arrived the so called shortege of the finished goods at India own. only and not on the pasis of the physical waightrent of the finished. goods laying in SDOC at the time of visit of the factory of the Aspellant 1 on 38.04 2015. The inclhad of walgamen, of the said tiplehed goods had not been disclosed in the Penchaama, which Itself is a statutory Document/Instrument to prove the shortage of the



ask) goods. The Parcheans has been drawn only for haressing, the genuine assesses.

- Even if there would be stortage of the finished goods, 68 alleged in the notice, the department would have investigated the case from which raw material, the eaid goods had been clandes linely manufactured. The adjudicating authority has failed to establish the receipt of the raw material illivitly to eustain the shartage of the eard goods. The charge of removal of the said goods illigitly has not been proved by corroborative evidences. The mages of transportation of the said goods had not been taken. an record to sustain the illicit removal of the said goods. The adjugicating authority has also failed to prove flow the 88/8/ proceeds had taken place with regard to the se called :ll of removaof the stated shortage of the final product. The duty calculated of Rel 55,5987- was also not genulne and correct. The adjudicating authority wrongly accepted the said duty of Rs. 55.683/-, which was get mater by the investigation officer. Being an adjudicating authority, he about a have required to give his clear out findings with regard to the determination of duty under Spetion 10.5(4) of the CEA, 1944.
- (i) The adjudicating authority has falled to consider the submissions made by the Appellant 1 and the Appellant 2. The row material of the Iron & Steel products a always being taken in use on approximate basis. Further, the production of the final product is also being accounted for an approximate basis. This practice being followed by all such Industry, which fact is well known to the department. The shortage of the raw material flad seen considered by the department without making physical weignment of the finished goods, therefore, the edjudicating authority has wrongly and without authority of faw has confirmed the demand of Rs. 55 8987, paradicing to the shortage of so called 17,470 MT of MS. Billets.
- (m) Similarly, the said Hanchpama is not proper and genuine so far as the so called elionage of 43.310 MT of waste and scraps of thor & Steel products. The stock of M.S. Scrap/Plate as on 08.01.7016 was 343.310 MT in the raw material register but not mentioned in the Parchaema Iteelf. Directly the shortage of raw materials had been shown as 43.310 MT without making physical weighment of the raw metars. Accordingly, in the case of shortage its raw material the adicating authority has wrongly confirmed the wrong availment of Convet Credit of Rs. 1,20,0297- on so called shortage of 43.319 MT of the raw materials without disclosing the combourative evidences via Central Excise Invoices under which the so called shortage of the saw materials are one on the factory graphses.
- (n) For the above suppliesions, the Appellant 1 and the Appellant 2 placed further reliance on the following case laws:
- (1) 2015 (317) ELT 583 (Tri. Ahmd.).

Commissioner of Central Exciso, Surat41 vis Gujarat Cylinder (P) Ltd.:

 $\sum_{i=1}^{\lfloor \frac{d-1}{2}\rfloor} \sum_{i=1}^{\lfloor \frac{d-1}{2}$

(2): 2017 (847) ELT 368 (Ln. DCL).

Soureble Rolling Kills Pvt. Ltd. ws. Commissioner of Central Exclad & Service. Fax, Raipur,

(8) 2016 (840) ELT 249 (iin 1001.).

Commissioner of Central Excess & Service Tax, Relique Ws. P. D. Inédelfies. Par. Line...

(4) 2016 (241) ELT (25 (Tá. Del.).

Commissioner of Centre! Exciso: Raight wis ABS Metals (F) Ltd...

(5) 2018 (344; Httl 555 (fin Chan.)

კეუცცი informational Ltd. ა/ა Commissioner of Certifal Exclae (Chana goth ,

(6) 2048 (340) Full 660 (Tr) Del.).

Raika Ispat Upyog Pv., Ltd. v/s Commissioner of Contral Exciso: Raiput.

(7) 2014 (31A) ELT 529 (Trl. Dell).

Unique linemational etd. 9/5 Commissioner of Control Excise, Chandigarb,

(8) 2014 (810) ELT 556 (1n. 46 d)

Commissioner of Central Fedag. Mooret-I wa Shri Dakiji Isoz. Fwt. Llá

- (c) Since it has been proved that Appellant 1 is not reclined to pay the confirmed (bity demand, the Appellant 1 are also not liable for a penal action as proposed in der Scotton 51AC(1)(c) of the Action assume of demand of wrong availment of Central Credit was falling under the purview of the CCB, 2001, wherein the penal provision has been provided under Role 15 of the CCB, 2004. Therefore, the impagned order is not proper and legal, as the parally has been imposed on the Appellant 1 beyond the merit of the case so tax as the Issua of wrong availment of Central Credit is conserved. Under the circumstances, the Appellant 1 were not liable for a penalty as imposed by the acquaintant of convertions.
- (p) Similarly, the penalty imposed on the Appellant 2 under Role 26(1) is also not proper and legal so far as the issue of wrong availment of Genvat Gredit is concerned. The Appellant 2 was also not involved in any manner as provided under Rule 28(1) of the GFR 2002, under which the penalty had been imposed upon him. There is no charge of confiscation of the disputed goods in the show cause notice. Therefore, the penalty imposed upon the Appellant 2 is also not sustainable.
- (c) At para 4(h) of the half show cause notice, the wrong aval ment of Canvat Gredit was mentioned as Rs. (4.27,2217). Acc no calculation sheet of working out the domand of duty had been provide to sustain the fotal domand of Rs. (3,02,638/-, Therefore, the impugned order is not proported legal as the same



has been passed without determining the duly amount under the socatled provisions Section 11A (4) of the GFA 1944.

- (r) The part confirmed demand of Rs 55.0007 was pertaining to the so salled shortage of finished 40009 912; M.S. Billets of 17.470 MT. Whereas, this duty has been confirmed by the adjudicating authority under Rule 14(1):III of the CGR 2004 which is not proper and legal.
- (5) In support of their contention, the Appellant 4 and the Appellant 2 blaced the rirel ance on the following base law:
- (1) 2014 (311) ELT 354 (Tr. Ahd.)

M/s. Cir. Aluminium Pyl. Ltd. v CCE Maccdara.

- (2) The recent judgment of the CESTAR, Atmedabad vide Coder No. A/11033-11034/2010, dtc. 17.07.2016 on the Appeal filed by M/s. Dajrang Castings Pvt. Ltd., Smi Amit R. Bhastr v/a CCE and Service Lax, Ahmedabad-I;
- (3) 2015 (324) F.L.T. 401 (Mad.)

Adani Enterprises l'Id. Ms. Union ef India.

- 1.11. Accordingly, the Appellant 1 and the Appellant 2 were granted apparturity of hearing on 20.02.2018, which was altered by Shir N. K. Maru, Consultant and Authorised Representative of the Appellant 1 and Appellant 2. Turing hearing, he reflected the grounds in appeal.
- 1.12 Copy of the appeal memo was provided to the Assistant Commissioner of C Ex Olyeton, Bhavnagar vide letter titd.09.08.2017 and they were also informed about the heating solubtle, but nothing has been received from them.

2.0. FINDINGS:

- 2.1. I have carefully gode through the appear papers placed before mg and the submissions made by the Appellant 1 and the Appellant 2, during the proceedings, which book place before me.
- Since the Appellant 1 has already made reversal of Rs.12,85,182-against the confirmed domand at Rs.13,82,1984. (buy have complete with the provisions of Section 35F of the CEA, 1944 by considering the said amount as more than the 7,8% of the confirmed duty domand towards the prescribed amount of pre-depositive provided vide Section 85F of the CEA, 1944. The Appellant 21 as also made pre-deposit of Rs.97,7204, wide Challan CIN No. 30022082205201700219 (64.22,65,2017, which is 7,5% of the amount of penalty of Rs.13,021084, amount of him in the impugned order. Thus, this can be considered as a substant at 6001p1810e to Section 35F of the CEA, 1944.
- 2.3. In support of their contention, the Appellant 1 and the Appellant 2 have provided a copy of the attitional affirmed by Appellant 2 on 22 09 2017. Prima facia, I notice that the Appellant 1 and the Appellant 2 had not made the said evidence available before the adjudicating authority, who passed his order on 30 03.2017. Thus, there was not all section of statement distributed 01.2010 given by the Appellant 2 and Share were no avenuents or arguments made by the Appellant 3 and Appellant 2 before the adjudicating authority to challenge the validity of demand itself in the coolest of wrongly

Page Sax

Page 12 of 16

given statement. The said copy of affinavir and 22.05.2017 is apparently being raised by the Appellant 1 and Appellant 2 before melter the first time, which is required to be restricted by the Interns of the provisions of Rule 5(1) of the Central Excise (Appella): Rules, 2001. I do not find any reason uncomethic file Appellant 1 and the Appellant 1 and the Appellant 2 were prevented from making proper representation at the time of adjudication. The affidavit executed by Appellant 2 affectively of C O dtc 30.03.2017 is nothing but 90 affectively. This isself is exceptions as provided in Rule 5(1) of the Central Excise (Appellant 3 and not 10 allow the Appellant 1 present their case and avernments at this stage and in terms of Rule 6(2) title it, therefore disalow the Appellant 1 and the Appellant 2 to make their submission in this respect on the basis of their alternpt to bring additional outgrade auting appeal proceedings before me.

- 2.4. Now, i find that the points for determination in the present appeal in terms of Section 35A (4) of the Central Excise Act (1844, are the following
 - (a) Whether the usage of \$13 Angles, Channes, Beam, M.S. Bors, converse actually used by the Appellant 1 in construction of Pfotform/Founds: 01137 installation of Concest plant and platform of Relling Mill, Which may allow the game to be defined as finally Whith the meaning of the provisions of the CCR, 2004?
 - (b) Whether the Appellant 1 were entitled for availment of the Cerwal credit in purview of the CCR (2004)
 - (c) Was the shorteges as aloged in the SCN (s) on the basis of proper verification of stock of inputsively materials and finished goods took place at the factory of the Appollant s on 28.3t, 2016 and whether such shortages were sufficient for perhand of duty and reversely of Cenval credit ?
 - (d) What should be the amount of demand to be confirmed? Under which provisions of the Axt such demand may be confirmed? Is there any case for owy of interest upder Seption 1 (AA of the Axt and Rule 14(1)(ii) of the CCR 2054 on such confirmed demand? Is there any case for imposing pensity or the Appellant 1 under Section 11AC (1)(c) of the Axt and on Appellant 2 under Rule 2001 of the CER 2002 2 (What should be the quantum of each penalty?
 - (e) What should be the order, which is just and propor, in the context of the grounds of appear, submission made by the Appellant during has inglas well so by way of additional submission and merits of the case before me?
- As regards order (a) and (b). I find that it is a cease of the department that the singles, positively, beam etc. Were deed in potebodium of platform/fourcation of Concest past and platform of relling mill and taking into consideration the provisions of CCR, 2004, such items can not be plassified as "ciputs" and not as "Capital Codes" in terms of the provisions of the provisions of the provisions of the provisions of the CCH, 2004, hence following the ratio of the decision provided by the Larger Bench of CESTAT in the case of Mrs. Vandana Godel Ltd. [2016 (253; FTT 440 (Tri.-LB)] and CESTAT, New Debti in the case or Mrs. U.P. State Sugar Corporation (16, [2007 (210) ELT 389 (Tri.-Del.)], it was held that the availment of Convat codit of Rs.31,07,469A was not legally correct and for that the same were recurred to be received from the Appellant 1. Against this It is a case of the Appellant 1 and Appellant 2 that the hydrices based on which the Capital credit was taken word penalting to the period after 07.12.2010 when the Appellant 1 had seed on which the Capital credit was taken word penalting to the period after 07.12.2010 when the Appellant 1 had seed on which the Capital credit was taken word penalting to the period after 07.12.2010 when the Appellant 1 had seed on which the capital communities.



erection of Concast Unit as well as making platform for smooth processing of products. Since the provisions of Rule 2(k) of the CCR, 2034 were permitting the definition of "mput" to include the goods used in manufacturing of Capital Goods, which are further: used in the factory of manufacturer but shall not include Gament, Angles, Channels, GTD Bars or TMT Bars and other items used for construction of factory aned, building or living of fedneation or misking of structure for support of Capital Godes. The Appellant 1 and Appellant 2 had retracted the vereion of Statement given by Appellant. Z on 09 01.2038 by way of placing a copy of affidavit $m dic\,22.05.2017$ affirmed by line. Appellant f 2 to bring shength to their argument that for installation of furnace unit . Congest unit and Het revalling unit, such items i e. MS Angles, Channels etc. were used within the factory premisee; and that at the time of raccoung at storement, the Appellant 2 was not aware about the provisions of the CCR, 2304, Lerice Willi the lett. of knowledge, ho had wrongly states that the disputers forms were used in construction. of siled of plant. To demonstrate the credibility of the agramants being made by the Appellant 1 and Appellant 2, they provided the photocopies of the 12 photographs. showing the Installation of Corposal Unit, where the disputed goods were used as Capital Goods.

2.6. While point through the ease records, or maitacle. Lelso fine we differe: in the engliments adversed for confirming the demand of Rs. 11,07,4867, on account of what $oldsymbol{g}$ availarent of Centrat credit on MS Angles. Channels return the contract at give $oldsymbol{u}$ case aw prenounced by the Harger Bench of CESTAT in the case of M/s. Vandaria Cloud Ltd. (2010 (253) ELT 440 (Tri. LE)) and CESTAT, New Delhi in the case of Mys. (U.P. State Sugar Corporation Ltd. (2007) (210) ELT 393 (Tr. 404.) [Jine OBEC heelelse. saued Instructions vide F. No. 287/11/2016 CXt8. dtd. 00.07.2010. At the same time, the Appellant1 and Appellant 2 have not provided any concrete evidence to substantiate took arguments. Photocopy of an alfidexit, which has been affirmed on 22,95.2017, sax eliesdy been rejected by me, hence there approars no specific endievident case made but by the Appellant 1 and Appellant 2 in their fevour II, however, notice from the CIO that the actualizating authority has for confirming the demand in Utliff respect thas given extra stress on the case law and not discussed in toll the factual. details relating to speciald usplot the goods. The Appellant 1 and the Appellant 2 have gravided photocoaies of the 12 photographs, but marely based on the photographs, $oldsymbol{\mathfrak{g}}$ is not passible to derive any specific conclusion in this maker, that lee when the goods i have already been consumed and relevancy of the given photocopies of the 12. pholographs in the present seriest and present case matter elemet established. Frither, I notice that at Pale 4 (ii) of the SCN and at Para 4(virial the Ciril) there is: reference of wrong availment of Cenvet credit of Rs. (1.27.221/4 on this econoct and In-Para $3.2\,\mathrm{and}$ Para 4(y) of the GCN and at Para $3.2\,\mathrm{and}$ Para $5.1\,\mathrm{eff}$ the $5(0)\,\mathrm{the}$ and $0\,\mathrm{th}$ of crongly availed Convet credit is shown to be Re.11,07,4624. Further, as per their At nexure prepared in respect of Involces against which the Convet credit was wrong yi availab and on which the signature of the Appellant 2 was obtained while recording atitioment on 05.02.2036 vide Question 6 and Answer to the same, the amount of Convet credit is Rs.11,27,2217- (RHD Rs.10.76,967)- + EC Re.37,467/-R8 10,7874). There is the alternation the part of the adjudicating authority to clarify that arrainally in figures of wrongly availed Convat credit, mere particularly when the sald-Statement dtd $05\,02\,20\,18$ has borg considered as relied upon cocumers in $0.9\,20$ N. Further to this, looking to the version of the Appellant 1 and Appellant 2 that the dispulse gazes were used by them for ometion/installation of Furnace Unit, Concest, Unit and Hot Re-Rolling Unit, I find that there is apparent need for checking and reverifying the factual position in respect of each of the materials, haspit on whose Invoices the Convat credit was availablity the Appellant 1, to check its aclast resus-

 $\mathcal{J}(\sigma_{i}^{2})^{(i,j)}$

with the manufacturing of Capital Godds or any such beage, which may make such graphs as aligible for availing honeful at Conver condition for provisions of the CDH. 2004. I believe that the deficiency in the impugned order creat in at the stage of adjudicating authority can not be cured ar set right by the subsequent purhority and wifhave to be corrected by the adjudicating authority only. Therefore, in answer to point (a) and (b), I find 3 appropriate not to arewer the same at this stage, but to remark the matter back to the adjudicating authority to re-determine the case of the eligibility of the Appellant 1 for availing Convation different halfne provisions of the CCR, 2004. I also direct the Appellant 1 and Appellant 2 to produce nacessary evidence, work sheet and their written submission before the adjudicating authority within one month from the date of veceipt of the proces. The adjudicating authority may, if find necessary, carry out (no joint vertication at the factory promises to establish the dexus of the goods will). relevent usage. Such latet var Neatlan, thround necessary, by the adjudicating authority. has to be completed within 15 days from the date of the automaster of further written submission by the Appellant and redoct of each joint verification be made averable to the Appellant's within 15 days from the date of conducting such verification, so that the Appellars, filmsy make further representation / submission accordingly on the bads of such joint verification within 15 days from the date of receipt of the report of join. vedficeller. The adjudicating authority may then after m-determine the case of the Appellant 1 and the Appellant 2 after giving them responsible apportunity of hearing. and cass a speaking order after following the principles of natural justice.

- As regards agin. (c), the Appellant 1 and Appellant 2 have raised. averments that the process of weightnest was not conducted properly and that there, was marely assumption as regains shortages as alleged in the SCN. It is a case of the Appellants that the adjudicating pullrovily had not considered their econolistics in this respect and wrongly confirmed the demand in this respect. In this respect I first that the demand of Rs.55,888/- pertains to the duly payable on the finished goods, which was found short and demand of ${\sf Rs.4.20,0264}$ penality to the shortage noticed in the stock of the vigues year materials. The argument of the Appellants that the ellegation of shortage is based on the assumed weight age and not actual weightage. It has also been argued that there are no conoborating evidence provided in the SCN to relate the shortage with clandescent alearance or any such illegal transaction, I bot (be) (i)ero is no attempt in the impugned Order to answer such pleas of it e Appellants. Now, elace the matter is being remanded for the major portion of the demand penalating to the allegation of wrong availment of Convertendrion account of MS Apples, Chappe's cold, that the end of justice may be met with, if the mailer is remarded back to the adjudicating authority to re-celermine the decision on the issue of shortage of inpulsives materials and finished goods along with athermatitioned leage of wrong availment of Convat credit on account of MS Angles, Channe's etc. I also direct the Appellant 1 and Appellant 2 to produce necessary evidence, work short and their written automission in respect of the issue of shortages at now magarials/inputs, and inished goads before the adjudicating authority within one month from the date of receipt of this order. The adjudicating suthortly (1997 then after re-determine the case) of the Appellant 1 and the Appellant 2 after giving them reasonable caparticity (4 hearing and pass a speaking of earliful owing the principles of natural Justice
- 2.9. As ragards politic(1), now since the matter is compared back on the aforesaid prints (a), (b) and (c), there remains no case left with molto-decide on this point (d) also. It is argument of the Appellants that the proper provisions of tew were not taken care of white adjudicating the matter. Therefore, without expressing any contains to this respect, in the fitness of the ordinalityings, I consider it proper to ramit the fitness of the ordinality to re-determine this page also after

154

following the principles of natural justice and after affording reasonable apportunity of making further submission and heading to the Appellants.

- 2.9. In the context of the above, white desting with point (e), I find Size the opins of justice may be met with upon passing order for setting saide the impugned OIO 3td,80,03,2107 and remarking matter back to the adjudiceting sufficilly for redestimation of the liability of the Appellant 1 and Appellant 2 and 1 do so.
- 2.10. In above terms it dispose built the appeals filled by the Appellant 1 and the Appellant 2 by wey of allowing both the appeals filled by the Appellants and setting satisfaction improprist Order with direction to the adjudicating sufficiently by remaining the matter back by re-eductioshor in above terms.



(P. A. Vasave) Commissioner (Appeals)/ Commissioner CGST & Cambal Excise, Kutch (Goodhidhan)

F. No. V2/201-202/3VR/2017

Date: 27.03.2018

By R.P.A.D.

Ta,

M/s. RSK industries Pvl. Ltd.,

Survey No. 171, Galtanghall Road,

Tal, Shihor, Dist. Bhavnagar

Shr. Raxosh Bansai, Director of Ms. RSK Industries Pvt. Lot., Survey No. 171.

Gahanghali Rood

'Tal Shihor Dist Dhavnagar

Copy to:

Shri N. K. Maru.

Consultant and Authorised Representative,

M/s HSK Industries Pvt. Ltd...

Survey No. 1711, Gahanghali Road,

Tell, Shuron, Distri Bhavnagan

Copy to:

- 1, The Ohlet Commissioner, CGST & C. Eq. Alvinedabad Zone, Ahmedabad.
- 2 Tha Commissioner, CGST & C. Ex. Bhavhagar
- 3. The Additional Commissioner, CGST & C. Ex. (System). Blraviager
- Massistant Commissioner CGST & C. Ex., Bhavnagar.
- 🗗 Cuardile.

